606 Sale 25000/- ... 6843 3000Rs.

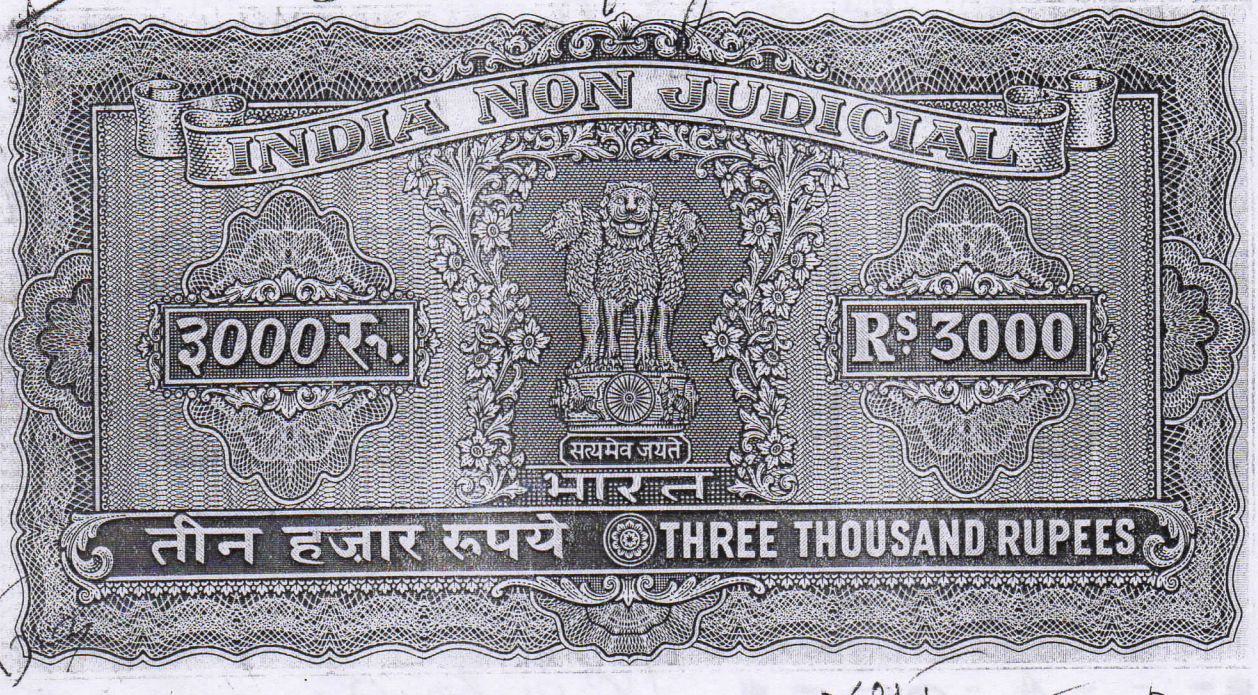

INDIA NON JUDICIAL

३000 रु. Rs 3000

सत्यमेव जयते

भारत

तीन हज़ार रुपये THREE THOUSAND RUPEES

Vide letter no 291 dt 16/3/93

17-3-93

Fees

1000-00

36-0

1036-00

17/3/93 (1)

Sale deed for Rs. 25,000/- only.

केवाला दातागण:- १. श्री अनिल कुमार झा पिता श्री शारदा प्रसाद झा जाति हिन्दू ब्राम्हण, पेशा व्यवसायादि, साकिन सरदारपण्डा लेन बी० देवघर, थाना: सबडिविजन, सबरजिष्ट्री व जिला देवघर।

२. श्री अभय कुमार जैन पिता मनकरन चन्द जैन जाति हिन्दू पेशा व्यवसाय, साकिन नावनगर रोड भागलपुर, थाना, सबडिविजन,

615
12/3/93

Sold to Smt. Sunayana w/o Sri Taposudan Pd. Sinha of Deoghara P.S. Sangrampur - Monghyr for sale deed -

Rs 3000 x 1
75 x 1
50 x 1 | 3125.00

Rs. Three thousand one hundred twenty five only.

अनिल कुमार

शारदा प्रसाद

देवघर

16-3-93

Stamp Clerk
Deoghar Treasury
P. O. × Dist Deoghar

12/3/93

अनिल कुमार
16/3/93

17-3-93

अनिल कुमार

अनिल कुमार
16/3/93

75 Rs.

पचहत्तर रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

७५रू. SEVENTY FIVE RUPEES 75Rs.

अरुण प्रसाद बरनवाल

(२)

सबरजिस्ट्री वो जिला भागलपुर वजरिये
आम मोख्तार श्री अरुण प्रसाद बरनवाल.
पिता स्व० किशुन लाल बरनवाल जाति
हिन्दू, पेशा व्यवसाय, साकिन कचहरी
रोड देवघर. थाना, सबडिविजन, सबरजिस्ट्री
वो जिला देवघर जो दिनांक २३/२/१९८२
इस्वी रजिस्ट्री ऑफिस भागलपुर से
रजिस्ट्रीकृत आम मोख्तार नामा दलील
संख्या ६३ वर्ष १९८२ इस्वी के द्वारा
सक्षम हैं।

Ulugnilaho 615

12/3/13

Stamp Clerk
Deoghar Treasury
P. O. x Dist. Deoghar

अरुण प्रसाद बरनवाल
9/3/13

बोध नारायण सिंह
9/3/13

12/3

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

५०रु. FIFTY RUPEES 50RS.

(3)

केवाला ग्रहिता:- श्रीमती सुनयना सिन्हा पति श्री तपेश्वर प्रसाद सिन्हा, जाति कायस्थ, पेशा गृहस्वामीनी, साकिन देवधरा, थाना संग्रामपुर, सबडीविजन खड़गपुर, सबरजिस्ट्री व जिला मुंगेर। राष्ट्रीयता भारतीय।

लेख्य प्रकार:- खोश केवाला दलील।

कीमत जायदाद :- मो० 25,000) पचीस हजार रुपये।

विवरण जायदाद:- निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित है।

(४)

विदित हो कि टाऊन देवघर
के अन्तर्गत मौजा बरमसिया नं० २५४ के अन्दर
बसौड़ी सत्व की जमीन सेटलमेन्ट प्लाट नं०-
३२४ रकवा २-६६ दो एकड़ छियासठ डीसमील,
तदुपरिस्थित "सेन्टम" नामक मकानादि, अन्दर
जमाबंदी नं० ४८/११ जो गत गेन्जर सेटलमेन्ट
पर्चा में पुर्णानन्द चटर्जी और श्रीमती कुलोदा
चटर्जी पति श्री पुर्णानन्द चटर्जी के नाम से
दर्ज है, जिसपर वे लोग ताजीन्दगी निर्विवाद
रुप से भोग दखल करते रहे।

पुर्णानन्द चटर्जी और श्रीमती
कुलोदा चटर्जी के मरणोपरान्त उनलोगों के-
दो पुत्रगण क्रमशः करुणा कुमार चटर्जी, ज्योत्सना
चटर्जी और एकमात्र पुत्री उषा गुप्ता वारीससुत्र
से उक्त सम्पत्ति के मालिक और अधिकारीगण
होकर निर्विवाद रुप से भोग दखल करते हुए
दिनांक २।१२। १९३३ ईस्वी रजिस्ट्री ऑफिस देवघर
से रजिस्ट्रीकृत खोश केवाला दलील (पुस्तक
संख्या १, जिल्द संख्या ११८, पृष्ठ संख्या ८४
से ९१ में निबंधित जिसकी संख्या ४२८६ वर्ष
१९३३) के द्वारा, श्रीमती वीणापाणी दासी
पति गौर मोहन दे के पास बिक्री कर दिया।

श्रीमती वीणापाणी दासी उक्त
खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर

(५)

निर्विवाद रूप से भोग दखल करती हुई दिनांक 26-8-1943 ईस्वी को अपने पीछे एकमात्र पुत्र श्याम चन्द दे को छोड़कर स्वर्गवासी हो गयी।

श्यामचन्द दे वारीस सूत्र से उक्त सम्पत्ति के मालिक होकर निर्विवाद रूप से भोग दखल करते हुए दिनांक 18/8/1959 ईस्वी रजिस्ट्री ऑफिस कलकत्ता से रजिस्ट्रीकृत खोश केवाला दलील (पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 89, पृष्ठ संख्या 110 से 120 तक में निबंधित जिसकी संख्या 362 वर्ष 1959) के द्वारा, श्री तरूण कान्ति घोष पिता श्री तुषार कान्ति घोष साकिन नं० 14 आनन्द चटर्जी लेन कलकत्ता -3 पश्चिम बंगाल के निवासी के पास बिक्री कर दिया।

श्री तरूण कान्ति घोष वर्तमान साकिन "कुमुदिनी कुंज" बरमसिया देवघर के निवासी उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर तथा सरकारी सिरिस्ता में अपना नाम दर्ज करवाकर तथा वार्षिक मालगुजारी वो नगरपालिका कर आदि आदाय करते हुए वो उसपर निर्विवाद रूप से दखलकार रहते हुए वजरिये मोख्तार श्री तुलसी कान्ति दे विश्वास, साकिन नं० 14, आनन्द चटर्जी लेन कलकत्ता पश्चिम बंगाल, दिनांक 22/4/1982 ईस्वी रजिस्ट्री ऑफिस देवघर

अशोक प्रसाद बरनवाल

अनिल कुमार बरनवाल

(8)

से रजिस्ट्रीकृत खोश केवाला दलील संख्या ११८९ वर्ष १९५२ ईस्वी के द्वारा, उक्त सम्पत्ति के अन्दर रकबा १३८६५ वर्गफीट, अन्दर सर्वे प्लाट नं० ३२४ का अंश, जमाबंदी नं० ४८/११, मिलजुमले टाऊन प्लान - प्लाट नं० ३६१ वो ३६२ का अंश, अन्दर हलका देवघर नगरपालिका वार्ड नं० १०, मय कुल हक हकूक, उपरोक्त हमलोग केवालादातागण के पास बिक्री कर देने पर हमलोग केवालादातागण उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल - कब्जा लेकर निर्विवाद रूप से दखलकार रहते हुए इसके कवल कुछ अंश को बिक्रीमी कर चुके हैं।

अभी हमलोग केवालादातागण को अपने आवश्यक सांसारिक खर्च के लिये रूपये की शक्त जरूरत है, इसलिये अवशेष सम्पत्ति के अन्दर कुछ अंश जिसका पूर्ण विवरण निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित है, को बिक्री करने का ऐलान किये।

आप केवाला ग्रहिता अपने संचित स्त्रीधन से अभी के बाजार भाव की दर से अधिकतम कीमत पर खरीद करने की इच्छा जाहीर करने पर उभय पक्षों की मंजुरी से इसकी कीमत मो० २५,०००) पच्चीस हजार रूपये कायम हुए।

अतएव आज तारीख हमलोग

(6)

केवालादातागण, आप केवालाग्रहिता से नगद मो० २५,000) पचीस हजार रुपये एक मुश्त लेकर निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित सम्पत्ति बमोजीब सामील शुदा नक्शा में लाल रंग से घिरा अंश मय कुल हक हकुक, आप केवालाग्रहिता के पास बिक्री कर दिये और आपके दखल कब्जे में दे दिये।

अब आप केवालाग्रहिता, हमलोग केवालादातागण के सत्व वो दखल से सत्ववती वो दखलकारीणी होकर मय अपने पुत्र-पौत्रादि वारीसान वो स्थलाभिषिक्तगण क्रम: से भोग, दखल, दान, बिक्री, मोरगेज वो नाना प्रकार के वारदेन वो हस्तान्तरादि करने की अधिकारीणी होकर स्वेच्छा पुर्वक भोग दखल करती रहें, इसमें हमलोग केवालादातागण मय वारीसान को किसी भी तरह की उज्र आपत्ति नहीं होगी, न कोई कर सकेगा। अगर कोई करे तो वह सरे अदालत नाजायज वो वातिल होगा।

निम्न बिक्रीत सम्पत्ति के मालिक हमलोग केवालादातागण ही हैं, इसमें दिगर कोई अंशदार या दखलकार नहीं है, वो इसके पहले निम्न सम्पत्ति को किसी के पास किसी तरह का दाय संयुक्त या हस्तान्तरण नहीं किये हैं। हर तरह से साफ और पाक है।

अनिल कुमार

अरुण प्रसाद बरनवाल

(८)

उपरोक्त उक्तियों के खिलाफ अगर साबित हो या आपकी खरीदगी हक में किसी तरह का खलल पहुँचे या कोई दोष निकले तो ऐसी हालत में हमलोग केवाला-दातागण, आप केवालागृहिता को कीमत का कुल रुपये मय हर्जाना वो खर्चा का देनदार रहेंगे।

निम्न बिक्रीत सम्पत्ति के बावत अगर भविष्य में हमलोग केवालादातागण मय वारीसान को कुछ लिखना या करना पड़ेगा, तो ऐसी हालत में, हमलोग केवालादातागण, मय वारीसान, आप केवालागृहिता मय वारीसान के अनुरोध एवं खर्च से वैसा लिखने वो करने को तैयार रहेंगे।

अतएव आज तारीख हमलोग केवालादातागण स्वेच्छा से मन और शरीर की स्वच्छता में रहकर बिना किसी के दबाव या बहकावे के कीमत का कुल रुपये नगद एक मुश्त पाकर यह बिक्रय खोश केवाला दलील लिख दिये जो वक्त पर काम आवे इति तारीख १६/३/१८८२ ईस्वी।

ह०, अनिल कुमार सा०
अनिल प्रसाद बरनवाल

तफसील सम्पत्ति

थाना न० २५४, जिला, सबडिविजन, सबरजिष्ट्री वो थाना देवघर, तालुक रोहिणी, सामील मौजा बरमसिया के अन्दर बसौड़ी स्वत्व की जमीन रकबा २६०० वर्गफीट, दो हजार सात सौ वर्गफीट जमीन, अन्दर सेटलमेन्ट प्लाट न० ३२४ का अंश, जमाबंदी न० ४८/११, मिलजुमले टाउन प्लान प्लाट न० ३६१ वो ३६२, अन्दर हलका देवघर नगरपालिका वार्ड न० १०, जो सामील शुदा नक्शा में लाल रंग से घिरा अंश, मय कुल हक हकूक बिक्री किया जिसकी चौहद्दी:

उत्तर:- कुमुदिनी घोष रोड।
इधर की माप पुरबा पश्चिमा ५६'-0" फीट।

दक्षिण:- केवाला दातागण की जमीन जो श्रीमती रेणु देवी खरीद रही है।
इधर की माप पुरबा पश्चिमा ४०'-0" फीट।

पुरब:- केवाला दातागण की जमीन जो श्री

इधर की लम्बाई उत्तरा दखिना ४८'-५" फीट।

कौशल कुमार

उदय प्रसाद बरनवाल

(१०)

पश्चिम :— कुमुदिनी घोष रोड।
इधर की लम्बाई उत्तरा दक्षिणा
८६'-३" फीट।

गवाहान

(१) रामदेव राय
जलसार, देवघर
१८/३/१३

(२) कल्याण कुमार : बेलाबगान देवघर
ता: १८/3/13

दस्तावेज पढ़कर
फरीकैन को सुना वो
समझा दिया
का: सीताराम पंडित
डीडराइटर देवघर
१८/३/१३

LAN SHOWING THE LOCATION OF THE PART
OF SHRI ANIL Kr JHA & SHRI ABHAY Kr JAIN
UDINI KUNJA) AT BARMASIA KUMUDINI GHOSH-ROAD
RD No-10 J.B. No 48/11 T.P. No 361 & 362 SARVE PLOT No-324
(B DEOGHAR NOW SOLD THE PART PARTI LAND
o Smt SUNAINA SINHA W/o SRI TAPESHWAR Pd SINHA VILL
DEOGHARA THANA SANGRAH PUR DIST MUNGER
AREA COVERING THE LAND 2700'.00" Sft SHOWN IN RED
BOUNDED LINES

SCALE :- 1" = 40'-0"